वर्तमान समय में (आज) सिद्दी और दलित

दलितों का व्यापार और बिक्री मलेशिया और श्रीलंका में रबर और चाय के बागानों में काम करने के लिए किया गया था।
दलित एक संस्कृत राब्द है जिसका त्रयोग ' कूचले हुए ' या दबाए हुए के लिए किया जाला है।
हिब्रू भाषा में दाल का अथ नीज, कमजोर और गरीब होता है।
सिद्दियों को बेचा गया और जीनी, नारियल, नील औल लौग की खेती में काम करने के लिए मजजूर किया गया।

आज,सिद्दी और दलित बहुत ही बुरी सामाजिक स्थितियों के तहत लगातार परिनियां उठा रमे है।
भारतीय उपमहाद्वीप में बिखरे हुए, सिद्दी और दलित इस्राइल के बचचे है।

भयानक पीरस्भितियों से बच निकलने का इकलौता तरीका एक इस्रायली के तौर पर परमेश्वर के कानूनों की और वापस लौटना है।यदि हमे प्रायश्चित करते हैं और ईश्वरीय आदेथों का पालन करते हैं, शीघ्र ही यीशु मसीह, ब्लैक मसीह, हमे बचाने के लिए और हमें वापस अपनी पुराने शासन की महिमा की ओर वापस ले चाने के लिए लौटेंगे!

शांति!

वर्तमान में इस्रायल की 12 चनजातियां

1. यहूदा (अमेरिकी ब्रेक)
2. बेंजामिन (वेस्ट इंडियन)
3. लेवी (हैतियन)
4. एप्रैम (प्यूरिट्रो रिकन्स)
5. मनासेस (क्यूबन्स)
6. शिमोन (डोमीशियन)
7. रूबेन (सेमीनल थारतीय)
8. गाड (देशी अमेरिकन भारतीय)
9. नेपताली (अर्जेंटीना से चिली)
10. जेबुलून (ग्वांटेमाला से पनामा)
11. एंशेर (कोलंबिया से उरुग्वे)
12. इस्साकार (मैक्सिकन)

यशायाह 11:11

11. उस समय प्रभु अपना हाथ दूसरी बार बढ़ा कर बचे हुओं को, जो उसकी प्रजा के रह गए हैं, अश्शूर से, मिस्र से, पत्रोस से, कूश से, एलाम से, शिनार से, हमात से, और समुद्र के द्वीपों से मोल ले कर छुड़ाएगा।

अफ्रीका, भारत, और विदेशों में फैले हुए

इस्रायल यूनाइटेड इन क्राइस्ट(आइयूआईसी)

WWW.YOUTUBE.COM/JOINIUIC

WWW.FACEBOOK.COM/IUICINDIA/COMMUNITY

आइयूआईसी संपर्क सूचना

ई-मेल:Iuic.India@israelunite.org

+6 018-276-1605

+1 855-484-4842 ext. 793

भारत में इस्राएलियों

तथाकथित सिद्दी और दलित " इस्रायल की 12 जनजातियों " के बचे हुए लोग हैं अंतर - सहारा के गुलाम व्यापार के बचचे

नबी ने हमें चेतावनी दी थी कि यदि परमेक्षर की आज्ञाओं को तोड़ते हैं, उन्हें दंडित किया जाएगा पढें व्यवस्थ व्यवस्थाविवरण 28:15-68 यह दुनिया में किसी दुसरी जाति के साथ नहों हुक!

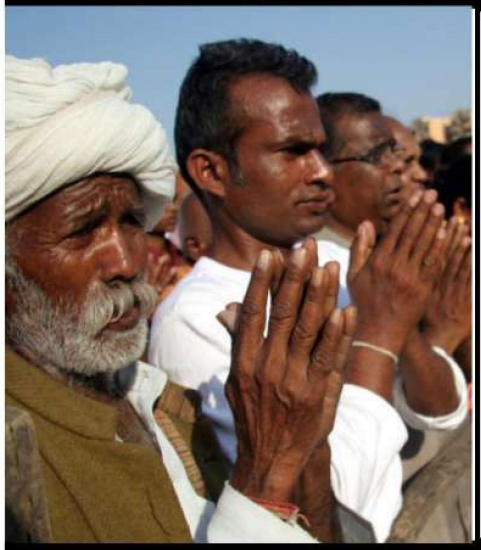

सिद्दी और दलित:

सिद्दी पूवी अफ्रीका से हैं, बांतू-बोलने वाले जनजातियों के बचे हुए लोग, जो इस्राएलियों हैं।

दलित, बाइबिल और एपोक्रीफा में, रानी ईस्थर के समयकाल से है।

दलित और सिद्दी दोनों ही व्यवस्था विवरण 28:15-68 में दिए गए श्रापों को भुगतना रहे हैं

यिर्मयाह 50:33

सेनाओं का यहोवा यों कहता है, इस्राएल और यहूदा दोनों बराबर पिसे हुए हैं; और जितनों ने उन को बंधुआ किया वे उन्हें पकड़े रहते हैं, और जाने नहीं देते।

सिद्दी और दलित: मूर्ति पूजा

यिर्मयाह 2:10-11

10. कित्तियों के द्वीपों में पार जा कर देखो, या केदार में दूत भेज कर भली भांति विचार करो और देखो; देखो, कि ऐसा काम कहीं और भी हुआ है? क्या किसी जाति ने अपने देवताओं को बदल दिया जो परमेश्वर भी नहीं हैं?

11. परन्तु मेरी प्रजा ने अपनी महिमा को निकम्मी वस्तु से बदल दिया है।

सिद्दी और दलितों ने आत्मसात करके, हिंदुओं, मुस्लिमों के देवताओं का सेवा का है, और न कि पवित्र बाइबिल क भगवान का।

इसके परिणमिस्वरूप, सिद्दी और दलितों ने सदियों से लेकर आज तक बहुत सारे प्रकार के आत्माचारों कों सहा है।

व्यवस्थाविवरण 28:64

64. और यहोवा तुझ को पृथ्वी के इस छोर से ले कर उस छोर तक के सब देशों के लोगों में तित्तर बित्तर करेगा; और वहां रहकर तू अपने और अपने पुरखाओं के अनजाने काठ और पत्थर के दूसरे देवताओं की उपासना करेगा।

सिद्दी और दलितों के विरुद्ध अत्याचार:

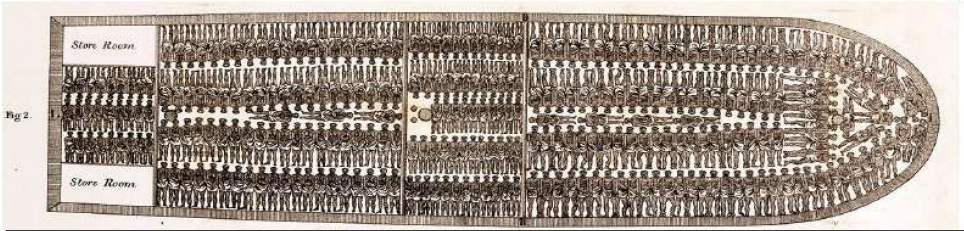

व्यवस्थाविवरण 28:68

68. और यहोवा तुझ को नावों पर चढ़ाकर मिस्र में उस मार्ग से लौटा देगा, जिसके विषय में मैं ने तुझ से कहा था, कि वह फिर तेरे देखने में न आएगा; और वहाँ तुम अपने शत्रुओं के हाथ दास-दासी होने के लिये बिकाऊ तो रहोगे, परन्तु तुम्हारा कोई ग्राहक न होगा॥

जाति का थेदथाव, चाहे यह पुलिस की क्रूरता से हो या हत्या से, थारत में सिद्दी और दलित समुदाय में प्रमुख है।
ये अत्याचार श्रीलंका, मलेशिया और अन्य एशियाई देशों के सिद्दी और दलित समुदाओं के बीच पाए आ सकते हैं।

व्यवस्थाविवरण 28:28-29

28. यहोवा तुझे पागल और अन्धा कर देगा, और तेरे मन को अत्यन्त घबरा देगा;
29. और जैसे अन्धा अन्धियारे में टटोलता है वैसे ही तू दिन दुपहरी में टटोलता फिरेगा, और तेरे काम काज सफल न होंगे; और तू सदैव केवल अन्धेर सहता और लुटता ही रहेगा, और तेरा कोई छुड़ाने वाला न होगा।